AI के सामाजिक परिणाम व चुनौतियाँ

मनीष कुमार, एम.ए. हिंदी, नेट केटेगरी. 03, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
Gmail: -manishsihag2000@gmail.com

सारांश

आज विश्व आधुनिकता की चादर में अपने पाँव लगातार प्रसार रहा है। इस आधुनिकता में समाज का विकास दिन दुगुना रात चौगुना हो रहा है।विश्व के विभिन्न देश प्रतिस्पर्धात्मक रूप से आगे बढ़ रहे हैं तथा साथ ही साथ दिन प्रतिदिन नए अविष्कार व नवाचार कर रहे हैं,जो अत्यंत सराहनीय है।

यह हमारे समाज तथा मानव मस्तिष्क की एक खास बात है कि यह सदैव चिंतन करता है तथा हर पल इस संसार के रहस्यों को सुलझाने तथा कुछ नवाचार करने की प्रेरणा से अभिभूत होता रहता है।इन्हीं खोजों में सर्वप्रचलित तथा सबसे महत्वपूर्ण खोज है, इंटरनेट तथा उससे चलने वाले महत्वपूर्ण यंत्रों की खोज। आज संसार इंटरनेट की दुनिया में बहुत आगे बढ़ गया है तथा वर्तमान में AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के स्वरूप में जो चीजें सामने आई है,वास्तव में वह हैरतअंगेज कर देने वाली है, AI ने वर्तमान सामाजिक परिदृश्य को ही बदल दिया है।

आज अगर हम अपने अतीत के स्वरूप को देखें तो यह है विकास के क्रम में एक प्रभावशाली बदलाव है, जो बहुत लंबे समय से चला आ रहा था और विकास का यह क्रम अनवरत चलता रहेगा।इसी के साथ तकनीक के विकसित रूप में AI एक अचंभित करने वाले आविष्कार के रूप में रखा जा सकता है।इससे किसी भी विषय पर क्षण भर में जानकारी प्राप्त की जा सकती है तथा इसके साथ–साथ इसका उपयोग आज शिक्षा के क्षेत्र से लेकर व्यापारी वर्ग तक बहुत व्यापक रूप में हो रहा है,किंतु–

"जब कोई वरदान प्राप्त होता है,तो वह अपने साथ दुष्परिणाम भी लेकर आता है।"

आधुनिकता अथवा इसे "विकास का युग" कहा जाए तो गलत नहीं होगा, इसमें AI जैसी महत्वपूर्ण खोज का साकार होना एक चमत्कार से कम नहीं है। प्रत्येक युग में नवाचार होते रहे हैं, इसी प्रकार AI आज के सामाजिक परिवेश में एक नई खोज के रूप में उभरा है। अगर इसके नकारात्मक पहलुओं की तरफ गौर करें तो वह बहुत कम है तथा समाज के विकास हेतु AI जैसी महत्वपूर्ण खोज की आवश्यकता को भी नकारा नहीं जा सकता है किंतु किसी भी खोज का दोहन किसी समाज के लिए खतरा पैदा कर सकता है। अतः हमें इसके सीमित उपयोग पर भी ध्यान देना चाहिए।जिससे संपत्ति तथा मानवीय मूल्यों का हनन न हो सके। अतः समाज के सर्वांगीण विकास हेतु AI के सावधानी से सीमित उपयोग की आवश्यकता है।